अमेरिका को सिखा रहे अध्यात्म का विज्ञान

यूं तो भारत देश बड़े-बड़े ऋषि मूनियों, विचारकों, विषलेशकों, वैज्ञानिकों की जन्म स्थली रही है। हमारा आध्यात्म पूरी दुनिया में सराहा गया है। टेक्नोलॉजी और विज्ञान के इस दौर में आध्यात्म, आशीर्वाद (ब्लेसिंग) को वैज्ञानिक कसौटी पर खरा उतारकर पूरी दुनिया को जीवधारी प्राणीयों, वृक्षों, मैदानों, फलों में ब्लेसिंग का उदात्तीकरण (ट्रांसमीशन) की आलोकिक शक्ति का लोहा मनवाने का काम फिलहाल त्रिवेदी फाउंडेशन की ओर से अमेरिका में किया जा रहा है। त्रिवेदी फाउंडेशन के संस्थापक महेन्द्र कुमार त्रिवेदी को ताकत ऊर्जा सम्प्रेषण (पॉवरफूल एनर्जी ट्रासमिशन) पुरूष के रूप में जाना जा रहा है। मानव, पशु, फसल और पर्यावरण में ऊर्जा बढ़ाने का कई प्रयोग अमेरिका के विभिन्न शहरों में किया जा चुका है। गुरूजी के नाम से प्रख्यात त्रिवेदीजी का कहना है कि मैं कोई आध्यात्मिक गुरू या आस्था का प्रतीक नहीं हूं। हम उस परादैवी शक्ति को ब्लेसिंग के जरिये दूसरे जीवों व अन्य जीवहीन प्राणियों तक पहुंचाने का एक अंतरचेतना विकसित करने का काम करते है। अब तक एक लाख से ज्यादा देशी-विदेशी लोगों ने इस आशीर्वाद (ब्लेसिंग) का

लाभ उठाया है। जिनमें असाध्य बीमारियों से छुटकारा के अलावा स्मृति शक्ति बढ़ाने और आत्मविश्वास तथा मानसिक स्पष्टीकरण देकर स्वस्थ जीवन जिने का प्रयास करते है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया में इस ब्लेसिंग के जरिए जो लोग रूबरू हुए है। वे इसे एक अदभूत चमत्कार मानते है। वैज्ञानिकों, चिकित्सकों की उपस्थिति में किए जाने वाले ब्लेसिंग प्रोग्राम (आशीर्वाद कार्यक्रम) से लोगों को जो अनुभव मिल रहा है। वह काफी आश्चर्यजनक है। एक ही व्यक्ति में १० वर्ष पहले और ब्लेसिंग के बाद आये शारीरिक ऊर्जा के बदलाव को अनुभव किया जा चुका है। यहीं नहीं एक ही खेत में बिना ब्लेसिंग और ब्लेसिंग किये गये एक ही किस्म का बीज (अनाज) रोपे गये और बोये गये बाद में वैज्ञानिकों की उपस्थिति में पड़ताल करने पर पता चला कि दोनों की विकास और बढ़त में काफी अंतर आया है। इस संदर्भ में महेन्द्र त्रिवेदी का कहना है कि यह उस गुप्त शक्ति के चलते होता है जो यूं तो सब में है लेकिन विकास किसी एक में ही होता है। अमेरिका के अलावा भारत में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भी इस तरह का प्रयोग कृषि वैज्ञानिकों एवं अन्य वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किया जा चुका है। इसे देखते हुए लगता है कि अलगा युग इस ऊर्जा के संबंध में नई खोज का होगा। ✦✦✦